

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

OMR Sheet No. :
(To be filled by the Candidate)Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)Roll No. _____
(In words)**J 2215****PAPER - II
MALAYALAM****[Maximum Marks : 100****Time : 1¼ hours]**

Number of Pages in this Booklet : 16

Number of Questions in this Booklet : 50

Instructions for the Candidates

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
 - After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
- Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
- Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only**. If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
- Read instructions given inside carefully.
- Rough Work is to be done in the end of this booklet.
- If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.
- There are no negative marks for incorrect answers.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
- इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
 - इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
- प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
- प्रश्नों के उत्तर केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नंकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
- यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालाँकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
- गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।



മലയാളം
MALAYALAM
PAPER - II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

കുറിപ്പ് : ഈ ചോദ്യക്കടലാസിൽ **അമ്പത് (50)** ഒബ്ജക്ടീവ് ടൈപ്പ് ചോദ്യങ്ങളുണ്ട്. ഓരോ ഉത്തരത്തിനും **രണ്ട് (2)** മാർക്ക് വീതം. ഉത്തരക്കടലാസിൽ ശരിയായ ഉത്തരം അടയാളപ്പെടുത്തുക. **എല്ലാ** ചോദ്യങ്ങൾക്കും ഉത്തരമെഴുതണം.

1. നമ്പ്യാനന്മിഴ് എന്തുകൊണ്ട് മണിപ്രവാളമാകുന്നില്ല?
 - (1) വിഭക്ത്യന്ത സംസ്കൃത പദങ്ങളില്ല.
 - (2) ഭാഷ എന്ന പ്രതീതി ഉളവാക്കുന്നതുകൊണ്ട്
 - (3) വിഭക്ത്യന്ത സംസ്കൃത പദങ്ങളുടെ ധാരാളിത്തം
 - (4) രസനീയതയുടെ അഭാവം

2. എഴുത്തച്ഛന്റെ മഹാഭാരതം കിളിപ്പാട്ടിന് മാതൃകയായത് ഭാരതമാലയാണെന്ന് ആദ്യം ചൂണ്ടിക്കാണിച്ചത്:
 - (1) ആർ. നാരായണപ്പണിക്കർ
 - (2) ഉള്ളൂർ
 - (3) എൻ. കൃഷ്ണപിള്ള
 - (4) വടക്കുംകൂർ

3. **കാര്യം :** ലീലാതിലകത്തിന്റെ കാലം 14 -ാം നൂറ്റാണ്ടാണെന്ന് ഇളംകുളം നിജപ്പെടുത്തി.
കാരണം : (a) ക്രി.പി.1369 -ൽ രചിച്ച ഉണ്ണുനീലി സന്ദേശത്തിലെ ശ്ലോകം ലീലാതിലകത്തിൽ ഉദ്ധരിക്കുന്നു.
(b) ലീലാതിലക സൂത്രങ്ങൾ പാലിക്കുന്നതാണ് ഉണ്ണുനീലി സന്ദേശം.
 - (1) കാര്യവും കാരണങ്ങളും ശരി
 - (2) കാര്യവും കാരണം (a) -ഉം ശരി
 - (3) കാര്യവും കാരണം (a) -ഉം (b) -ഉം ശരി
 - (4) കാര്യവും കാരണം (b) -ഉം ശരി

4. ചേരുംപടി ചേർക്കുക.

പട്ടിക - I

പട്ടിക - II

- | | |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>(a) എന്നങ്ങു നണ്ണിനിന്നന്നേരം തന്നെയ-
ന്നിന്നൊരു നീലക്കടമ്പു തന്മേൽ
പാഞ്ഞു കരേറിനാൻ പാവനമായുള്ള
പാദങ്ങൾ കൊണ്ടു ചവിട്ടിച്ചെമ്മേ</p> <p>(b) പാൽ കൊണ്ടു ചെഞ്ചെമ്മെ പൈ കെട്ടു കൂടാഞ്ഞി
ട്ടാകുല നാകയാ ലെന്ന പോലെ
കാറ്റേയും കൂടി കൂടിച്ചു കൊണ്ടീടിനാൻ
താറ്റോലിച്ചങ്ങവൾ നല്ലുമപ്പോൾ</p> <p>(c) എങ്കെയിലുള്ളൊരു വൻകുന്നിൻ കീഴിലേ
വന്നിങ്ങു നൂഴുവിൻ നിങ്ങളെല്ലാം</p> <p>(d) കണ്ണനിലുള്ളൊരു കാമം തഴയ്ക്കയാൽ
തിണ്ണം തളർന്നൊരു മെയ്യുമായി</p> | <p>(i) ഗോപികാദുഃഖം</p> <p>(ii) പൂതനാ മോക്ഷം</p> <p>(iii) ഗോവർദ്ധനോദാരണം</p> <p>(iv) കാളിയ മർദ്ദനം</p> <p>(v) വത്സന്ധേയം</p> |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iv)	(i)	(v)
(2)	(i)	(v)	(ii)	(iii)
(3)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

5. 'രണ്ടും മൂന്നും തവണ കുഷിയേറ്റുന്ന കണ്ടങ്ങളേയും
വണ്ടും ഞങ്ങളും വടിവാടു കളിക്കുന്ന കച്ചങ്ങളേയും'
ഈ വരികൾ ഏതു സന്ദേശകാവ്യത്തിൽ നിന്ന് ?

- | | |
|-----------------------|------------------|
| (1) ഉണ്ണുനീലി സന്ദേശം | (2) കോക സന്ദേശം |
| (3) കാകസന്ദേശം | (4) മയൂര സന്ദേശം |

6. തമിഴിൽ നിന്ന് മലയാളം വേർപിരിയുന്നതിന് കാൾഡ്വൽ ചൂണ്ടിക്കാണിച്ച പ്രധാനപ്പെട്ട
കാരണങ്ങൾ :
ശരിയേത് ?

- | | | | |
|---------------------|-------------------------------------------|--------------|--------------|
| (a) പുരുഷഭേദ നിരാസം | (b) അംഗഭംഗം | | |
| (c) സ്വരസംവരണം | (d) സംസ്കൃത തദ്ഭവങ്ങളുടെ വർദ്ധിച്ച ഉപയോഗം | | |
| (1) (a), (b) | (2) (a), (b), (c) | (3) (a), (c) | (4) (a), (d) |

7. **കാര്യം :** ഇന്നത്തെ മലയാള ലിപിമാലയെ ആദ്യ എഴുത്ത് എന്നാണ് തുടക്കത്തിൽ വിളിച്ചിരുന്നത്.

കാരണം (a) : സംസ്കൃതമെഴുതാൻ ഈ ലിപിമാലയാണ് കേരളത്തിൽ ഉപയോഗിച്ചത്.

കാരണം (b) : കേരളത്തിലെത്തിയ ആര്യന്മാർ മാത്രം ഉപയോഗിച്ചിരുന്ന ലിപിമാലയാണിത്.

- (1) കാര്യവും കാരണങ്ങളും ശരി (2) കാര്യം ശരി, കാരണങ്ങൾ തെറ്റ്
 (3) കാര്യം ശരി, കാരണം (a) മാത്രം ശരി (4) കാര്യം ശരി, കാരണം (b) മാത്രം ശരി

8. സ്വസ്തി കൊത്താണു ഇരവികുത്തൻ പല നൂറായിരത്താണ്ടുമ് മറുകുതലൈ ചിറന്തടിപ്പടുത്താളാനിൻറയാണ്ടുൾ ചെല്ലാ നിൻറയാ.....

എന്നു തുടങ്ങുന്ന ശാസനമേത് ?

- (1) തരിസാപ്പള്ളി ശാസനം (2) വാഴപ്പള്ളി ശാസനം
 (3) അവിട്ടത്തൂർ ശാസനം (4) തിരുനെല്ലി ശാസനം

9. ചേരുംപടി ചേർക്കുക.

പ്രാചീന മലയാള രേഖകളിൽ കാണുന്ന ലിപികൾ.

പട്ടിക - I

- (a) കർസോൺ
 (b) കുഫിക്
 (c) വട്ടെഴുത്ത്
 (d) ആദ്യ എഴുത്ത്

പട്ടിക - II

- (i) ലാറ്റിൻ
 (ii) സംസ്കൃതവും മലയാളവും
 (iii) സുറിയാനി
 (iv) തമിഴും മലയാളവും
 (v) അറബി

- | | | | | |
|-----|------------|------------|------------|------------|
| | (a) | (b) | (c) | (d) |
| (1) | (i) | (iii) | (iv) | (ii) |
| (2) | (iii) | (iv) | (ii) | (iii) |
| (3) | (iii) | (v) | (iv) | (ii) |
| (4) | (ii) | (iii) | (iv) | (v) |

10. എഴുത്തച്ഛൻ ഉപയോഗിച്ചിട്ടില്ലാത്ത ഭാഷാവൃത്തമേത് ?

- (1) കാകളി (2) അന്നനട (3) മഞ്ജരി (4) കളകാഞ്ചി

11. 'എഴുത്തച്ഛന്റെ കവിത കീർത്തനസാഹിത്യത്തിന്റെ ഭാഗമാണ്. അതുകൊണ്ടുതന്നെ ഇടയ്ക്കിടയ്ക്ക് വരുന്ന ദീർഘമായ ഈശ്വരനാമ കീർത്തനങ്ങൾ രസവിച്ഛിത്തി വരുത്തുന്നു എന്നു പറയുന്നത് ശരിയല്ല' ആരുടേതാണ് ഈ വാദം ?

- (1) സുകുമാർ അഴീക്കോട് (2) എൻ. കൃഷ്ണപിള്ള
 (3) കെ. എൻ. എഴുത്തച്ഛൻ (4) നിത്യചൈതന്യ യതി

12. 'മാകോതൈയർ പട്ടിണ്'ത്തുള്ള 'പെരും കോയിലകത്തു'വച്ച് നൽകിയ ചെപ്പേട് :

- (1) തരിസാപ്പള്ളി ചെപ്പേട് (2) ഇരവി കോർത്തനൻ ചെപ്പേട്
 (3) കൊടുങ്ങല്ലൂർ ചെപ്പേട് (4) ഐരാണിക്കുളം ചെപ്പേട്

13. ഏറ്റവും ചേർച്ചയുള്ള ഗണമേത് ?

- (1) ദക്ഷയാഗം, കീചകവധം, ഉത്തരാന്യയംവരം
- (2) കീചകവധം, ബകവധം, ദക്ഷയാഗം
- (3) ഉത്തരാന്യയംവരം, ദക്ഷയാഗം, കർണ്ണശപഥം
- (4) കുചേലവൃത്തം, കീചകവധം, ദക്ഷയാഗം

14. 'പദങ്ങളെക്കൊണ്ട് വിടവടയ്ക്കുന്ന സമ്പ്രദായമേ ഉണ്ണായി വാര്യർ മനസ്സിലാക്കിയിരുന്നില്ല' ഈ പ്രസ്താവന:

- (1) ആർ. നാരായണപ്പണിക്കർ
- (2) ദേശമംഗലത്തു രാമ വാര്യർ
- (3) ഏ. ആർ. രാജരാജവർമ്മ
- (4) എം. എച്ച്. ശാസ്ത്രികൾ

15. 'കുഞ്ചൻ നമ്പ്യാരുടെ ശൃംഗാരസാവിഷ്കാരം ഓർമ്മിപ്പിക്കുന്നത് അച്ചിക്കുറുപ്പും അടിച്ചുതളിക്കാരും തമ്മിലുള്ള ഇടപാടാണ്' എന്നു നിരീക്ഷിച്ച വിമർശകൻ :

- (1) സി. പി. അച്യുതമേനോൻ
- (2) സാഹിത്യപഞ്ചാനൻ പി. കെ. നാരായണപിള്ള
- (3) കെ. രാമകൃഷ്ണപിള്ള
- (4) കുട്ടികൃഷ്ണ മാരാർ

16. കാര്യം : തുള്ളൽ കാണുന്നവനു മനോഗത വിദൂരതയുടെ (Psychic Distance) ക്ലേശമില്ല.

കാരണം : (a) തുള്ളൽ ഭൂതകാലത്തെ വർത്തമാനകാലത്തിലെത്തിക്കുന്നു.

(b) നാടൻവൃത്തികളുടെ സമൃദ്ധി

- (1) കാര്യവും കാരണങ്ങളും ശരി.
- (2) കാര്യം ശരി, കാരണം (a) മാത്രം ശരി
- (3) കാര്യം ശരി, കാരണം (b) മാത്രം ശരി
- (4) കാര്യം ശരി. കാരണങ്ങൾ തെറ്റ്

17. ചേരുംപടി ചേർക്കുക.

പട്ടിക - I

- (a) ജ്ഞാന നിക്ഷേപം, പഠനവും പാഠവും
- (b) രാജ്യ സമാചാരം. ഒരു പഠനം
- (c) മലയാള പത്രപ്രവർത്തനം പത്തൊമ്പതാം നൂറ്റാണ്ടിൽ
- (d) പ്രാചീന മലയാള ലിപിമാല

പട്ടിക - II

- (i) വള്ളിക്കാവു മോഹൻദാസ്
- (ii) ബാബു ചെറിയാൻ
- (iii) എമ്മാനുവേൽ ആട്ടേൽ
- (iv) എൻ. സാം
- (v) ജി. പ്രിയദർശനൻ

- | | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-------|-----|-------|-------|
| (1) | (iii) | (i) | (iv) | (v) |
| (2) | (ii) | (v) | (i) | (iii) |
| (3) | (iv) | (i) | (iii) | (ii) |
| (4) | (ii) | (i) | (iv) | (iii) |



18. **കാര്യം :** പൊതുജനങ്ങൾക്കു സൗകര്യപ്രദമായ രീതിയിൽ എൽ. എം. എസ്. നാഗർകോവിലിൽ ബസാർ സ്കൂൾ തുടങ്ങി.

കാരണം : (a) യാഥാസ്ഥിതിക ഹിന്ദുക്കൾ കുട്ടികളെ സെമിനാരിയിൽ അയച്ചിരുന്നില്ല.

(b) ആസൂത്രിതമായ വിദ്യാഭ്യാസ സമ്പ്രദായം എൽ. എം എസിന്റെ ലക്ഷ്യമായിരുന്നു.

- (1) കാര്യവും കാരണങ്ങളും ശരി.
- (2) കാര്യം ശരി, കാരണം (a) മാത്രം ശരി
- (3) കാര്യം ശരി, കാരണം (b) മാത്രം ശരി
- (4) കാര്യം ശരി, കാരണങ്ങൾ തെറ്റ്

19. മലയാളത്തിലെ ആദ്യത്തെ കോളജു മാസിക :

- (1) വിദ്യാ വിനോദിനി
- (2) വിദ്യാ വിലാസിനി
- (3) വിദ്യാ സംഗ്രഹം
- (4) വിദ്യാധിരാജൻ

20. തിരുവിതാംകൂർ പാഠ പുസ്തക കമ്മിറ്റിയുടെ അധ്യക്ഷൻ :

- (1) കേരളവർമ്മ വലിയ കോയിത്തമ്പുരാൻ
- (2) രാജരാജ വർമ്മ
- (3) ചിദംബര വാധ്യാർ
- (4) ഉള്ളൂർ

21. 'പണ്ടൊരുകാലത്ത് പരസ്യമായി അമ്മയോ അച്ഛനോ ഇല്ലാത്ത ഒരു യുവാവുണ്ടായിരുന്നു' എന്നാരംഭിക്കുന്ന നോവൽ :

- (1) റൂഡി
- (2) ഈ ലോകം അതിലൊരു മനുഷ്യൻ
- (3) തോട്ടിയുടെ മകൻ
- (4) ശബ്ദങ്ങൾ

22. **കാര്യം :** ആരാച്ചാർ, സുഗന്ധി എന്ന ആണ്ടാൾ, ദേവനായിക തുടങ്ങിയ പല സമകാലിക നോവലുകളും സുനിശ്ചിതമായ തീർപ്പിലെത്താത്ത ചരിത്രസംഘർഷങ്ങൾ അവതരിപ്പിക്കുന്നു.

കാരണം : (a) ആധുനിക സങ്കല്പത്തിൽ ചരിത്രം ഒരു തുടർ പ്രക്രിയയാണ്, തീർപ്പില്ലാത്ത വിചാരവും

(b) കാലസങ്കല്പം ചാക്രിക ഗതിയിലാണ്.

- (1) കാര്യവും കാരണങ്ങളും ശരി
- (2) കാര്യവും കാരണം (a) -ഉം ശരി
- (3) കാര്യം ശരി, കാരണം (a) -ഉം (b) -ഉം തെറ്റ്
- (4) കാര്യം ശരി, കാരണം (b) മാത്രം ശരി.

23. ചേരുംപടി ചേർക്കുക.

പട്ടിക - I

- (a) പുഷ്പവേലിൽ ഔസേപ്പ്
- (b) ഇരുമ്പൻ ഗോവിന്ദൻ നായർ
- (c) പദ്മനാഭപിള്ള കാരണവർ
- (d) കറുത്തേടം

പട്ടിക - II

- (i) അയലൂർ
- (ii) ഇന്ദുലേഖ
- (iii) രണ്ടിടങ്ങഴി
- (iv) സുന്ദരികളും സുന്ദരന്മാരും
- (v) ആകാശത്തിലെ പറവകൾ

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(2)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(v)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(ii)	(iii)	(i)	(v)

24. ഇന്ത്യാവിഭജനത്തിന്റെ പശ്ചാത്തലത്തിൽ എഴുതിയ നോവൽ :

- (1) ഭ്രാന്താലയം
- (2) തലമുറകൾ
- (3) ദെൽഹി ഗാഥകൾ
- (4) ആകാശത്തിലെ പറവകൾ

25. 'അന്നത്തെ സ്ഥിതിക്ക്, എന്നുവെച്ചാൽ എതിർവായില്ലാത്ത അക്കാലത്തെ സ്ഥിതിക്ക്, അതൊരു സാഹസം തന്നെയായിരുന്നു. പക്ഷേ, അങ്ങനെ ഉരുളയുപ്പേരി കൊടുക്കാൻ ഒരു മുല്യൂരിനേ കഴിഞ്ഞുള്ളൂ.' ഈ പ്രസ്താവം ആരുടെ ?

- (1) സഹോദരൻ അയ്യപ്പൻ
- (2) കേസരി ബാലകൃഷ്ണപിള്ള
- (3) മുണ്ടശ്ശേരി
- (4) സി. ജെ. തോമസ്

26. കാലക്രമമനുസരിച്ച് ഏതാണ് ശരി ?

- (1) 'മലയവിലാസം', 'ആസന്നമരണ ചിന്താശതകം'. സുബ്രഹ്മണ്യൻ പോറ്റിയുടെ 'ഒരു വിലാപം', 'വീണപുവ്'
- (2) 'ആസന്നമരണ ചിന്താശതകം', 'മലയവിലാസം', സുബ്രഹ്മണ്യൻ പോറ്റിയുടെ 'ഒരു വിലാപം'. 'വീണപുവ്'
- (3) സുബ്രഹ്മണ്യൻ പോറ്റിയുടെ 'ഒരുവിലാപം', 'മലയവിലാസം', 'ആസന്നമരണ ചിന്താശതകം', 'വീണപുവ്'
- (4) 'മലയവിലാസം', 'വീണപുവ്', സുബ്രഹ്മണ്യൻ പോറ്റിയുടെ 'ഒരു വിലാപം', 'ആസന്നമരണ ചിന്താശതകം'

27. വെണ്ണണി പ്രസ്ഥാനത്തിന്റെ സവിശേഷതയല്ലാത്തത് ഏത് ?

- (1) അനിയന്ത്രിതമായ ശൃംഗാരം
- (2) മലയാളത്തോടുള്ള ആഭിമുഖ്യം
- (3) ഗൗരവപൂർണ്ണമായ ജീവിതസമീപനം
- (4) ഫലിതപ്രയോഗ സമൃദ്ധി

28. ചേരുംപടി ചേർക്കുക.

പട്ടിക - I

പട്ടിക - II

- | | |
|-----------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------|
| (a) ഒന്നവൻ നെടുതായി വീർപ്പിട്ടാൻ ധർമ്മത്തിന്റെ യുന്നതമണിധ്വജം കുലുങ്ങിപ്പോയിലല്ലീ | (i) ബാലാമണിയമ്മ |
| (b) പരാനപേക്ഷം പ്രാണിക്കമരാൻ പഴുതില്ലൊരിടത്തും പരൻ പുമാനും പ്രകൃതിസഹായൻ പ്രവഞ്ചഘടനത്തിൽ | (ii) വൈലോപ്പിള്ളി |
| (c) ആകുലം മർത്യ മാനസം ധീരം ആകിലും കാലമെത്രമേൽ കൂരം | (iii) ജി. ശങ്കരക്കുറുപ്പ് |
| (d) തിന്മയെ തകർക്കാനാം മഴുവേകിയതീശൻ നന്മതിന്മകൾ നേരായറിഞ്ഞിരിക്കുന്നു | (iv) ഉള്ളൂർ |
| | (v) സുഗതകുമാരി |

- | | | | | |
|-----|------------|------------|------------|------------|
| | (a) | (b) | (c) | (d) |
| (1) | (iii) | (iv) | (ii) | (i) |
| (2) | (v) | (iv) | (iii) | (ii) |
| (3) | (ii) | (i) | (iii) | (iv) |
| (4) | (iv) | (iii) | (ii) | (i) |

29. പാവമാമി നാടിൻ സ്വർണ്ണക്കിണ്ണുമായിരുന്നവൻ ഭാ നോക്കു വാതിൽ; പൂർണ്ണചന്ദ്രനായവൻ വീണ്ടും . ആരെക്കുറിച്ചാണ് ഈ സൂചന?

- | | |
|-------------------------|------------------|
| (1) വയലാർ | (2) വൈലോപ്പിള്ളി |
| (3) പി. കുഞ്ഞിരാമൻ നായർ | (4) ചങ്ങമ്പുഴ |

30. 'കവി കവിയോടു സംസാരിക്കുമ്പോൾ

എന്തോ ഒന്നു മറച്ചുവെക്കുന്നു
 യാത്രക്കാരൻ യാത്രക്കാരനോടു സംസാരിക്കുമ്പോൾ
 എന്തോ ഒന്ന് മറച്ചുവെക്കുന്നു. - എഴുതിയത് :

- | | |
|--------------------------|-----------------------------|
| (1) സച്ചിദാനന്ദൻ | (2) മാധവൻ അയ്യപ്പത്ത് |
| (3) കെ. ജി. ശങ്കരപ്പിള്ള | (4) ബാലചന്ദ്രൻ ചുള്ളിക്കാട് |

31. ചേരുംപടി ചേർക്കുക.

പട്ടിക - I

- (a) വെഷക്കായ
- (b) കാൻസർ വാർഡ്
- (c) ഇന്ത്യാ ഗേയ്റ്റ്
- (d) ദൈവപ്പാതി

പട്ടിക - II

- (i) അജേഷ് ദാസ്
- (ii) രേണുകുമാർ
- (iii) പ്രഭാവർമ്മ
- (iv) ദേശമംഗലം രാമകൃഷ്ണൻ
- (v) കെ. ആർ. ടോണി

(a) (b) (c) (d)

- (1) (ii) (i) (iv) (v)
- (2) (i) (ii) (iv) (iii)
- (3) (iii) (i) (v) (iv)
- (4) (iv) (i) (v) (ii)

32. ശരിയായ ഗണമേൽ ?

- (1) തിലോദകം, കണ്ണൂനീർത്തുള്ളി, പ്രരോദനം, ബാലിദർശനം
- (2) തിലോദകം, കണ്ണൂനീർത്തുള്ളി, ഹൃദയാഞ്ജലി, പ്രരോദനം
- (3) തിലോദകം, പ്രരോദനം, കണ്ണൂനീർത്തുള്ളി, ചിതാലേഖം
- (4) തിലോദകം, കണ്ണൂനീർത്തുള്ളി, പ്രരോദനം, ഭഗഹൃദയം

33. ചേരുംപടി ചേർക്കുക.

പട്ടിക - I

- (a) മുന്നോട്ട്
- (b) നമ്മളൊന്ന്
- (c) ജേതാക്കൾ
- (d) തോറ്റില്ല

പട്ടിക - II

- (i) തകഴി
- (ii) കേശവദേവ്
- (iii) കുട്ടനാട്ടു രാമകൃഷ്ണപിള്ള
- (iv) പൊൻകുന്നം വർക്കി
- (v) ചെറുകാട്

(a) (b) (c) (d)

- (1) (i) (v) (iii) (ii)
- (2) (ii) (i) (iv) (iii)
- (3) (v) (i) (ii) (iv)
- (4) (ii) (v) (iv) (i)

34. 1128 -ൽ ക്രൈം 27 എന്ന നാടകത്തിന്റെ സവിശേഷതകൾ :

- (i) എക്സ്പ്രഷണിസ്റ്റു സങ്കേതത്തിന്റെ വ്യക്തമായ അവലംബം
 - (ii) ജീവിത മരണങ്ങളുടെ അർത്ഥാന്വേഷണം
 - (iii) ഐറണിയുടെ സമർത്ഥമായ ഉപയോഗം
- (1) (i) മാത്രം ശരി
 - (2) (i) -ഉം (iii) -ഉം ശരി
 - (3) (ii) മാത്രം ശരി
 - (4) (ii) -ഉം (iii) -ഉം ശരി



35. ഇബ്സന്റെ ' ഗോസ്റ്റ്സ് ' എന്ന നാടകം ' പ്രേതങ്ങൾ ' എന്ന പേരിൽ മലയാളത്തിൽ പരിഭാഷപ്പെടുത്തിയത് :

- (1) കെ. രാമചന്ദ്രൻ നായരും കാവാലവും ചേർന്ന്
- (2) എ. ബാലകൃഷ്ണപിള്ളയും എ. കെ. ഗോപാലപിള്ളയും ചേർന്ന്
- (3) എ. ബാലകൃഷ്ണപിള്ളയും കെ. എം. പണിക്കരും ചേർന്ന്
- (4) എ. ബാലകൃഷ്ണപിള്ളയും എൻ കൃഷ്ണപിള്ളയും ചേർന്ന്

36. ചേരുംപടി ചേർക്കുക.

പട്ടിക - I

- (a) സിനിമയും മലയാളിയുടെ ജീവിതവും
- (b) സിനിമാ പഠനങ്ങൾ
- (c) കാഴ്ചയുടെ അശാന്തി
- (d) സിനിമയും പ്രത്യയശാസ്ത്രവും

പട്ടിക - II

- (i) പി.എസ്. രാധാകൃഷ്ണൻ
- (ii) ജി.പി. രാമചന്ദ്രൻ
- (iii) വി.കെ. ജോസഫ്
- (iv) സി.എസ്. വെങ്കിടേശ്വരൻ
- (v) വി. രാജകൃഷ്ണൻ

- | | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-------|------|-------|-------|
| (1) | (ii) | (iv) | (v) | (iii) |
| (2) | (v) | (i) | (ii) | (iii) |
| (3) | (iii) | (iv) | (i) | (ii) |
| (4) | (iv) | (i) | (iii) | (v) |

37. ചേരുംപടി ചേർക്കുക.

പട്ടിക - I

- (a) ഒരു കഥാകൃത്ത് കുരിശിൽ
- (b) അശാന്തി
- (c) ശേഷപത്രം
- (d) സലാം അമേരിക്ക

പട്ടിക - II

- (i) ഒ. വി. വിജയൻ
- (ii) എൻ. മോഹനൻ
- (iii) ടി.വി. കൊച്ചുബാവ
- (iv) ടി. പദ്മനാഭൻ
- (v) സക്കറിയ

- | | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-------|-------|------|-------|
| (1) | (iii) | (v) | (i) | (iv) |
| (2) | (iv) | (i) | (ii) | (v) |
| (3) | (v) | (iii) | (ii) | (i) |
| (4) | (i) | (ii) | (v) | (iii) |

38. 'ചിരുതേയി' എന്ന കഥ എഴുതിയത് :

- (1) സി.എസ്. ഗോപാലപ്പണിക്കർ
- (2) അമ്പാടി നാരായണ പുതുവാൾ
- (3) ശീവൊള്ളി
- (4) കുണ്ടൂർ



39. 'എ ഹിസ്റ്ററി ഓഫ് മലയാളം ലിറ്ററേച്ചർ' എന്ന കൃതിയുടെ കർത്താവ് :

- (1) കെ.എം. ജോർജ്ജ്
- (2) കൃഷ്ണചൈതന്യ
- (3) അയ്യപ്പപ്പണിക്കർ
- (4) സി.പി. ശിവദാസൻ

40. ന്യായാധിപന്മാരുടെ ആത്മകഥകളിൽ പെടാത്തത് :

- (1) ന്യായപീഠത്തിലെത്തും മുസ്
- (2) സോളമന്റെ തേനീച്ചകൾ
- (3) ഞാൻ
- (4) ആത്മകഥ

41. വെണ്ണണിക്കവികൾക്ക് താരതമ്യേന ഇഷ്ടപ്പെട്ട വൃത്തങ്ങൾ :

- (1) മന്ദാക്രാന്തയും ശാർദ്ദൂല വിക്രീഡിതവും
- (2) ശാർദ്ദൂല വിക്രീഡിതവും കൂസുമ മഞ്ജരിയും
- (3) കൂസുമ മഞ്ജരിയും സ്രഗ്ദ്ധാരയും
- (4) സ്രഗ്ദ്ധാരയും ശാർദ്ദൂല വിക്രീഡിതവും

42. ചേരുംപടി ചേർക്കുക :

പട്ടിക - I

- (a) മദ്ധ്യകാല കേരളം- സ്വരൂപനീതിയുടെ ചരിത്ര പാഠങ്ങൾ
- (b) കേരളചരിത്രം - അപ്രിയ നിരീക്ഷണങ്ങൾ
- (c) മലയാള പുസ്തക പ്രസാധനം
- (d) മാമാങ്ക രേഖകൾ

പട്ടിക - II

- (i) എം. ജി. ശശിഭൂഷൺ
- (ii) എം.ആർ. രാഘവ വാര്യർ
- (iii) എൻ.എം. നമ്പൂതിരി
- (iv) ഡി.സി. കിഴക്കേമുറി
- (v) എം.ജി.എസ്. നാരായണൻ

(a) (b) (c) (d)

- (1) (ii) (i) (iv) (iii)
- (2) (ii) (iii) (i) (v)
- (3) (iii) (i) (iv) (ii)
- (4) (v) (ii) (iii) (iv)

43. മലയാളത്തിലെ ലാവണ്യാധിഷ്ഠിത വിമർശനത്തിന്റെ മികച്ച മാതൃക :

- (1) എം.പി. പോൾ
- (2) കെ.പി. ശങ്കരൻ
- (3) ആഷാ മേനോൻ
- (4) എസ്. ശാരദക്കുട്ടി

44. താഴെ കൊടുത്തവയിൽ വിമർശന ഗ്രന്ഥം ഏത് ?

- (1) മരുഭൂമികൾ ഉണ്ടാകുന്നത്
- (2) കഴിഞ്ഞകാലം
- (3) നഗ്നയാമിനികൾ
- (4) കാലപ്പകർച്ചകൾ



45. ചേരുംപടി ചേർക്കുക.

പട്ടിക - I

- (a) ചിതയിലെ വെളിച്ചം
- (b) നനയാതെ മീൻ പിടിക്കാമോ
- (c) ദന്തഗോപുരം
- (d) നവതരംഗം

പട്ടിക - II

- (i) മുണ്ടശ്ശേരി
- (ii) എം.എൻ. വിജയൻ
- (iii) എം. ലീലാവതി
- (iv) കുറ്റിപ്പുഴ കൃഷ്ണപിള്ള
- (v) കുട്ടികൃഷ്ണ മാരാർ

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(i)	(v)	(iii)
(2)	(ii)	(iv)	(v)	(i)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4)	(ii)	(v)	(iii)	(iv)

താഴെ കൊടുത്തിരിക്കുന്ന ഉപന്യാസ ഭാഗം വായിച്ച് തുടർന്നു വരുന്ന ചോദ്യങ്ങൾക്ക് ഉത്തരം അടയാളപ്പെടുത്തുക.

നാടോടിക്കഥകൾ പുരാവൃത്തങ്ങൾ, ഐതിഹ്യങ്ങൾ, പഴഞ്ചൊല്ലുകൾ, കടംകഥകൾ, നാടൻ ഗാനങ്ങൾ എന്നീ വാമൊഴിക്കൃതികളുടെ പാരമ്പര്യത്തിലൂടെ രൂപംകൊണ്ട സംസ്കാരമാണ് വാഗ്മ്യപസംസ്കാരമെന്നു പറയുന്നത്. വാമൊഴിരൂപത്തിൽ പകർന്നുവരുന്നത് മാത്രമാണ് നാടോടി വിജ്ഞാനം (Folklore) എന്നൊരു ധാരണ നിലനിന്നിരുന്നു. ഇതിന്റെ അടിസ്ഥാനത്തിലാണ് വില്യം ആർ ബാസ്കം 'വാചികകലയാണ് ഫോക്ലോർ' എന്ന് അഭിപ്രായപ്പെട്ടത്. കാലംകൊണ്ട്, നാടോടിവിജ്ഞാനം ഉൾക്കൊള്ളുന്നത് കേവലം വാഗ്മ്യപസംസ്കാരം മാത്രമല്ലെന്ന് ബോധ്യപ്പെട്ടു തുടങ്ങി. ഇന്ന് നാടോടി വിജ്ഞാനത്തിന്റെ പരിധിയിൽ നാടൻ ജനസമൂഹത്തിന്റെ ജീവിതവുമായി ബന്ധപ്പെട്ട എല്ലാം ഉൾപ്പെടുന്നു. അവരുടെ ജീവിതക്രമങ്ങൾ, കലാവതരണങ്ങൾ, ആചാരങ്ങൾ, അനുഷ്ഠാനങ്ങൾ, വിശ്വാസങ്ങൾ, അതിലൂടെയെല്ലാം രൂപംകൊണ്ട വാമൊഴിരൂപങ്ങൾ എന്നിവ അതിന്റെ വിഭിന്നമുഖങ്ങളാണ്.

ഏതൊരു വാമൊഴിരൂപവും നിലകൊള്ളുന്നതും പ്രചരിക്കുന്നതും അവയുടെ ധർമ്മവ്യാപനത്തിലൂടെയാണ്. ധർമ്മരഹിതമായൊരു വാമൊഴിരൂപത്തിന് നിലനില്ക്കാനാവില്ല എന്നതാണ് സത്യം. ഏതൊരു വാമൊഴിരൂപത്തിനും അതിനെ തലമുറകളായി നിലനിർത്തുന്ന അതിന്റേതായ ധർമ്മമുണ്ട്. സമൂഹത്തിന്റെ ആവശ്യത്തിനനുസരിച്ച് രൂപപ്പെട്ടവയാണ് ഓരോ വാമൊഴിരൂപങ്ങളും. ഞാറുനടുമ്പോൾ പാടുന്ന നാട്ടിപ്പാട്ടിനും മരണാവസരത്തിൽ പാടുന്ന ഒപ്പാരിക്കും ചിങ്ങമാസത്തിൽ പാടുന്ന കൃഷ്ണപ്പാട്ടിനും അവയുടേതായ ധർമ്മങ്ങളുണ്ട്. അദ്ധ്യാനിക്കുന്നവർക്ക് ഉല്ലാസമേകുക, അദ്ധ്യാന ഭാരം കുറയ്ക്കുക എന്നീ ധർമ്മങ്ങളാണ് നാട്ടിപ്പാട്ടിനുള്ളതെങ്കിൽ, അല്പ സമയത്തേക്കെങ്കിലും മനുഷ്യമനസ്സിനെ ജീവിതത്തിന്റെ ആകുലതകളിൽ നിന്ന് വിമുക്തമാക്കി ഭക്തിസംവർദ്ധകമായൊരു അന്തരീക്ഷത്തിലെത്തിക്കുക എന്നതാണ് കൃഷ്ണപ്പാട്ടിന്റെ ധർമ്മം. ഒന്നും ചെയ്യാനില്ലാത്ത മർത്യൻ അപ്രസക്തനാകുന്നതുപോലെ വാമൊഴിരൂപത്തിന് അതിന്റേതായൊരു ധർമ്മം ഇല്ലാതെവരുമ്പോൾ അത് സ്വയം ഇല്ലാതെയാകുന്നു. തിരുവനന്തപുരം പത്മനാഭസ്വാമിക്ഷേത്രനടയിൽ അവതരിപ്പിച്ചിരുന്ന രാമകഥപ്പാട്ടിന്റെ പരമ്പരാഗത

രീതിയിലുള്ള അവതരണം നിന്നുപോയത് ഈ ധർമ്മരാഹിത്യം കൊണ്ടാകാം. നാട്ടിപ്പാട്ടും, കൃഷ്ണപ്പാട്ടുമൊക്കെ കാലംചെല്ലുന്നോടും ഇല്ലാതെയായിക്കൊണ്ടിരിക്കുകയാണ്. വർത്തമാനകാലസമൂഹത്തിൽ അവയുടെ ധർമ്മത്തിന് പ്രസക്തി നഷ്ടപ്പെടുന്നു എന്നതാണിതിനു കാരണം.

മനുഷ്യൻ എന്നും സമൂഹജീവിയാണ്. സമൂഹാവസ്ഥകളെയും സമൂഹത്തിന്റെ താല്പര്യങ്ങളേയും അംഗീകരിച്ചുകൊണ്ടുള്ള ഒരു ജീവിതക്രമമാണ് നാടൻ ജനസമൂഹം പിന്തുടരുന്നത്. സമൂഹജീവി എന്നതുകൊണ്ട് അവന് സ്വന്തം താല്പര്യങ്ങൾ സംരക്ഷിക്കുന്നതിനുള്ള സ്വാതന്ത്ര്യമില്ല. അസ്വസ്ഥതയോടെ അവനെല്ലാം ഒരു പരിധിവരെ സഹിക്കുന്നു. സങ്കല്പങ്ങളിലും ഭാവനകളിലും വിരാജിക്കുവാനുള്ള കഴിവ് മനുഷ്യന് ആശ്വാസമേകുന്നു. സമൂഹത്തിന്റെ വിലക്കുകളിൽ നിന്ന് വിചിത്രമായ മനഃസങ്കല്പത്തിലേയ്ക്കു എത്തുന്ന നാടോടിയായ മനുഷ്യൻ വാമൊഴിയിലൂടെ സൃഷ്ടിക്കുന്ന രൂപങ്ങളാണ് നാടൻഗാനങ്ങളും നാടോടിക്കഥകളും പുരാവൃത്തങ്ങളും. അവന്റെ മനസ്സനുഭവിക്കുന്ന അസ്വാസ്ഥതയുടേയും സമ്മർദ്ദത്തിന്റേയും ബഹിർഗമനരൂപമാണ് കഥകളിലും ഗാനങ്ങളിലുമൊക്കെ ആവിഷ്കൃതമാകുന്ന അശ്ലീലം നിറഞ്ഞ സന്ദർഭങ്ങൾ. അവിഹിത ബന്ധങ്ങളും രഹസ്യവേഷ്ചകളും ആവിഷ്കരിക്കുകയും അവയെ സാധൂകരിക്കുകയും ചെയ്യുന്ന എത്രയോ നാടൻഗാനങ്ങൾ നമുക്കുണ്ട്. പാരതന്ത്ര്യമനുഭവിക്കുന്ന മനുഷ്യമനസ്സിന് ഈ വാമൊഴിരൂപങ്ങളിലൂടെ അല്പനേരത്തേയ്ക്കെങ്കിലും സ്വതന്ത്രമായൊരു ലോകത്തിലൂടെ സഞ്ചരിക്കാനാകുന്നു. ഇങ്ങനെ രൂപപ്പെടുന്ന ഈ വാഗ്രൂപസംസ്കാരം അവനെ നിയന്ത്രിക്കുക എന്ന ധർമ്മംകൂടി ഏറ്റെടുക്കുന്നു.

ഫോക്ലോർ, സംസ്കാരത്തെ ശരിവയ്ക്കുന്നതിലൂടെ പാരമ്പര്യത്തെ നിലനിർത്തുന്നു. സമൂഹം നിലനിർത്തിപ്പോരുന്ന ഏതെങ്കിലും ആചാരാനുഷ്ഠാനങ്ങളുടെ കാര്യത്തിൽ ആർക്കെങ്കിലും അത്യപ്ലിയോ ശങ്കയോ ഉണ്ടാകുമ്പോൾ അവയെ ന്യായീകരിക്കാനും വിശകലനം ചെയ്യാനും പറ്റിയ ഒരു പുരാവൃത്തമോ ഐതിഹ്യമോ നാടോടിക്കഥയോ പഴഞ്ചൊല്ലോ രൂപംകൊള്ളുന്നു. ഇക്കാര്യത്തിൽ പുരാവൃത്തങ്ങളുടെ പ്രാധാന്യം അംഗീകരിക്കപ്പെട്ടിട്ടുള്ള ഒന്നാണ്.

പലതരത്തിലുള്ള അറിവിന്റെ ഉടമകളാണ് ഗ്രാമീണസമൂഹങ്ങൾ. ജീവിതാവസ്ഥകളിൽ നേരിടേണ്ടിവരുന്ന പ്രതിസന്ധികൾക്ക് തങ്ങളുടേതായ ശൈലിയിലുള്ള ഉത്തരം കണ്ടെത്തി അവർ മുന്നേറിയിരുന്നു. ഭക്ഷണം രോഗം, പാർപ്പിടം തുടങ്ങി എല്ലാത്തിനും തക്കതായ പരിഹാരം കണ്ടെത്തിയ അറിവിന്റെ ഖനിയാണവർ. ഈ നാടൻസമൂഹങ്ങളിലെ നാട്ടറിവിന്റെ സംസ്കാരം അവരുടെ വാമൊഴിരൂപത്തിൽ പ്രതിഫലിക്കുക സ്വാഭാവികമാണ്. ജീവിതത്തിന്റെ നാനാവശങ്ങളെ മനസ്സിലാക്കുവാൻ ഈ വാഗ്രൂപസംസ്കാരം നമ്മെ സഹായിക്കുന്നു. നാടൻകഥകൾ, യക്ഷിക്കഥകൾ, നീതികഥകൾ, കടംകഥകൾ, പഴഞ്ചൊല്ലുകൾ തുടങ്ങിയവയെല്ലാം മാറിവരുന്ന തലമുറകൾക്ക് വിജ്ഞാനം പകരാൻ കഴിയുന്നു. നാടൻപാട്ടുകളും പുരാവൃത്തങ്ങളും ജനങ്ങളെ പലതരത്തിലുള്ള ജീവിതതത്ത്വങ്ങൾ ബോധ്യപ്പെടുത്തുന്നു. അവ സമൂഹത്തെ വിജ്ഞരാക്കുന്നതിൽ മുൻപന്തിയിൽ നില്ക്കുന്നു. കഴിഞ്ഞ തലമുറയുടെ അറിവ് പകർന്നു കിട്ടുന്ന പഴഞ്ചൊല്ല് കൂട്ടികളിലും മുതിർന്നവരിലും നീതിബോധം വളർത്താൻ ഉതകുന്ന ഉപാധിയാണ്. തെറ്റുകൾ ബോധ്യപ്പെടുത്തുന്നത് പലപ്പോഴും പഴഞ്ചൊല്ലിലൂടെയായിരിക്കും. നാടൻജനസമൂഹത്തെ പ്രകൃതിയുടെ

സൂക്ഷ്മവശങ്ങൾ ബോധ്യപ്പെടുത്തുന്ന സൂത്രവാക്യങ്ങളാണ് കടംകഥകൾ. അവന്റെ ചിന്തയേയും ബുദ്ധിയേയും ഉദ്ദീപിപ്പിക്കുവാനുള്ള കഴിവും അവയ്ക്കുണ്ട്. ജീവിതത്തിന്റെ മൂല്യങ്ങളെ വിശദാംശങ്ങളോടെ ബോധ്യപ്പെടുത്തുന്ന നാടോടികഥകൾ അറിവിന്റെ അക്ഷയഖനികളാണ്. നമ്മുടെ നാടോടിഗാനങ്ങൾ, വ്യഥയും വേർപാടും ദുരന്തങ്ങളും ആകസ്മികമായുണ്ടാകുന്ന സന്തോഷവും നിറഞ്ഞ ജീവിതാനുഭവങ്ങളുടെ മൊഴിമുത്തുകളായതിനാൽ ഓരോ തലമുറയ്ക്കും അവ ജീവിതതത്വങ്ങളുടെ പാഠങ്ങളായി മാറുന്നു.

നാടോടിസമൂഹം പാലിച്ചുപോരുന്ന ചില ചിട്ടകളുണ്ട്. അവയെ ന്യായീകരിക്കാനും പ്രായോഗികമാക്കാനും സഹായിക്കുക എന്ന ധർമ്മങ്ങൾക്കുപരിയയി പരിചിതമായ ആ ചിട്ടകളെ ലംഘിക്കുവാൻ മുതിരുന്നവരെ നിയന്ത്രിക്കുകയും തടയുകയും ചെയ്യേണ്ടത് ആവശ്യമായി വരുന്നു. അത്തരം സന്ദർഭങ്ങളിൽ അവയെ ഉൾക്കൊള്ളാനും നിലനിർത്താനും നാടൻഗാനങ്ങളും നാടൻകഥകളും ഉൾപ്പെട്ട വാഗ്ഗൃഹസംസ്കാരത്തിന് സാധിക്കും. വാഗ്ഗൃഹസംസ്കാരത്തിൽപ്പെട്ട പലതിനും സാമൂഹിക വിമർശനസ്വഭാവമുള്ളതിനാൽ സാമൂഹിക നിയന്ത്രണത്തിനവ ശക്തങ്ങളാണ്. സാമൂഹികാചാരങ്ങളിൽ നിന്നും നിയന്ത്രണങ്ങളിൽ നിന്നും വ്യതിചലിക്കുന്നവരെ നേർവഴിക്കു നയിക്കുവാനവ ഉതകുന്നു. പഴമൊഴികളും പുരാവൃത്തങ്ങളും നാടോടികഥകളുമൊക്കെ ഇക്കാര്യത്തിൽ സഹായകങ്ങളാണ്. വ്യക്തികളുടെ സ്വഭാവം രൂപപ്പെടുത്തുന്നതിലും അവ പ്രധാന പങ്ക് വഹിക്കുന്നുണ്ട്. മനുഷ്യഹൃദയത്തെ സ്വാധീനിക്കുവാൻ ശക്തങ്ങളാണ് നമ്മുടെ പഴഞ്ചൊൽ രൂപങ്ങളും നാടൻകഥകളും. അതുകൊണ്ട് നാടൻസമൂഹത്തിന്റെ വീക്ഷണവും താല്പര്യങ്ങളും രൂപപ്പെടുത്താൻ അവ വഹിക്കുന്ന പങ്ക് നിസ്സീമമാണ്.

വാഗ്ഗൃഹസംസ്കാരത്തിന്റെ പ്രാഥമികവും വ്യക്തവുമായ ധർമ്മം വിനോദമാണ്. മതപരവും സാമൂഹികവുമായ പല പ്രശ്നങ്ങൾക്കും അവ ഉത്തരമാകുന്നുണ്ട്. ആചാരങ്ങളും അനുഷ്ഠാനങ്ങളും വിശ്വാസങ്ങളും ഉൾക്കൊള്ളുവാനും നിലനിർത്തുവാനും അവ സഹായിക്കുന്നു. രാഷ്ട്രീയപ്രചരണത്തിനും സാമൂഹിക പരിവർത്തനത്തിനും വാഗ്ഗൃഹസംസ്കാരത്തെ ഉപയോഗപ്പെടുത്തുന്നുണ്ട്.

വാഗ്ഗൃഹസംസ്കാരത്തിന് മനുശാസ്ത്രപരമായ ചില ധർമ്മങ്ങളും ഉണ്ടെന്നുകാണാം. ജ്ഞാനവും അജ്ഞാനവുമായ കാരണങ്ങളാൽ മനസ്സനുഭവിക്കുന്ന വിങ്ങലുകൾക്ക് ഈ വാഗ്ഗൃഹങ്ങൾ ഒരു പരിധിവരെ പരിഹാരമായി നിലകൊള്ളുന്നു. നാടോടികഥയിലെ ചില മുഹൂർത്തങ്ങളുടെ ആവിഷ്കാരം, പുരാവൃത്തത്തിലെ ഏതെങ്കിലും അവസ്ഥാന്തരങ്ങൾ, നാടൻഗാനങ്ങളിലെ അനുഭവാവിഷ്കാരം, എന്നിവ അവരുടെ മനസ്സിനെ സ്വാധീനിക്കാം. വൈയക്തിക ദുഃഖങ്ങൾ മറക്കാൻ അവ പ്രേരകങ്ങളാകുന്നു. സമാനമായ വ്യഥകളിലൂടെ സമാശ്വാസം കണ്ടെത്തുന്നവരാണ് മനുഷ്യസമൂഹം

46. വാചികകലയാണ് ഫോക്ലോർ എന്ന് വില്യം . ആർ. ബാസ്കം അഭിപ്രായപ്പെട്ടതിന്റെ കാരണം:
- (1) ഫോക്ലോറിലെ പുരാവൃത്ത സമൃദ്ധി
 - (2) വാമൊഴിരൂപത്തിൽ പകർന്നു വരുന്നതു മാത്രമാണ് ഫോക്ലോർ എന്ന മുൻധാരണ
 - (3) ഫോക്ലോറിന്റെ ആഖ്യാന സ്വഭാവം
 - (4) അനുഷ്ഠാന പ്രധാനമായ ചൊല്ലുകളുടെ ആധിക്യം

47. വാമൊഴിരൂപം സ്വയം ഇല്ലാതെയാകുന്നത് എപ്പോൾ ?
- (1) ഫോക്ലോറിന്റെ സമൂഹ ബന്ധം നഷ്ടപ്പെടുമ്പോൾ
 - (2) ആധുനിക പരിഷ്കാര വ്യാപനത്തിൽ
 - (3) ആവേദകർ ഇല്ലാതെയാകുമ്പോൾ
 - (4) വാമൊഴിരൂപത്തിന്റെ ധർമ്മം നഷ്ടപ്പെടുമ്പോൾ

48. ചേരുംപടി ചേർക്കുക.

പട്ടിക - I

- (a) നാടൻപാട്ടുകളും പുരാവൃത്തങ്ങളും
- (b) പഴഞ്ചൊല്ലുകൾ
- (c) കടംകഥകൾ
- (d) നാട്ടിപ്പാട്ട്

പട്ടിക - II

- (i) ജീവിത തത്ത്വബോധനം
- (ii) ഉല്ലാസവും അദ്ധ്യാനഭാരം കുറയ്ക്കലും
- (iii) നീതിബോധം വളർത്തുന്നു
- (iv) പ്രകൃതിയുടെ സൂക്ഷ്മവശങ്ങളെ ബോധ്യപ്പെടുത്തുന്നു
- (v) മതബോധം നൽകുന്നു

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(2)	(ii)	(v)	(i)	(iii)
(3)	(iii)	(ii)	(v)	(i)
(4)	(v)	(i)	(ii)	(iii)

49. **കാര്യം :** അവിഹിതബന്ധങ്ങളും രഹസ്യവേഷ്ചകളും ആവിഷ്കരിക്കുകയും സാധൂകരിക്കുകയും ചെയ്യുന്ന നിരവധി നാടൻ ഗാനങ്ങളുണ്ട്.

കാരണം : (a) പാർശ്വവത്ക്കരിക്കപ്പെട്ട ജനസമൂഹത്തിന്റെ സ്വാതന്ത്ര്യ പ്രഖ്യാപനങ്ങളാണവ.
 (b) നാടോടി മനുഷ്യന്റെ മനസ്സനുഭവിക്കുന്ന അസ്വസ്ഥതയുടേയും സമ്മർദ്ദത്തിന്റെയും ബഹിർഗമനങ്ങളാണവ.

- (1) കാര്യവും കാരണങ്ങളും ശരി
- (2) കാര്യവും കാരണം (b) -ഉം ശരി
- (3) കാര്യവും കാരണം (a) മാത്രവും ശരി
- (4) കാര്യം ശരി. കാരണങ്ങൾ രണ്ടും തെറ്റ്

50. വാഗ്രൂപ സംസ്കാരത്തിന്റെ മനുഃശാസ്ത്രപരമായ ധർമ്മങ്ങൾ :

- (i) വൈയക്തിക ദുഃഖങ്ങളെ അകറ്റുന്നു.
 - (ii) സമൂഹബന്ധം ഉറപ്പിച്ചുറപ്പിക്കുന്നു
 - (iii) സമൂഹ വിമർശനം സാധ്യമാക്കുന്നു
 - (iv) ദൈവവിശ്വാസം ഉറപ്പിക്കുന്നു.
- (1) എല്ലാം ശരി (2) (iv) മാത്രം ശരി (3) (ii) മാത്രം ശരി (4) (i) ശരി

- o O o -

Space For Rough Work

